Mood disorder (1) 8.5.20

Dr. Meena Devi
Dept of — Psy
Class — part II / III paper

Ques-2 Describe the symptoms etiology and treatment of unipolar?

एकध्रुवीय विकृति के लक्षण, कारण एवं उपचार का वर्णन करें।

Ans → एक ध्रुवीय विकृति को विषादी विकृति (Depressive disorder) भी कहते हैं। Reber and Reber ने इसकी व्याख्या करते हुए कहा है कि एकध्रुवीय विकृति का तात्पर्य ऐसी विकृति से है, जिसमें केवल विषादी घटनाएं घटित होती हैं।

Symptoms → एकध्रुवीय विकृति के लक्षणों को निम्नलिखित ढंग से प्रकाशित किया गया है

1) संज्ञानात्मक लक्षण (Cognitive symptoms)

इसमें व्यक्ति की निराशा दिखाई पड़ती है। नकारात्मक प्रवृति (Negative tendency) ज्यादा पायी जाती है। रोगी अपनी बातों को ज्यादा Aggressive करता एवं बोलता नजर आता है उनमें self confidence कमजोर हो जाता है।

2 मनोदशा लक्षण (Mood disorder symptoms)

मनोदशा लक्षण के रोगी हमेशा उदास तथा निराशा रहा करते हैं। वह अपने जीवन में आशा तथा उत्साह नहीं रहने के कारण आत्महत्या की प्रवृति से पीड़ित रहता है।

3 दैहिक लक्षण (Somatic symptoms)

एक ध्रुवीय विकृति के रोगी में कई तरह के दैहिक लक्षण देखे जाते हैं। ऐसे लक्षणों में निद्रा की कमी भोजन एवं sex की कमी तथा शारीरिक रोग देखे जाते हैं।

उपर्युक्त लक्षणों के आलोक में एकध्रुवीय विकृति की symptoms देखा जाता है। एक ध्रुवीय विकृति में व्यक्ति संख्या में विशेष लक्षण देखा गया।

Etiology of Causes Unipolar disorder →

एकध्रुवीय विकृति के निम्नलिखित कारण इस प्रकार है —

(1) संज्ञानात्मक कारक (Cognitive factors)

एक ध्रुवीय विकृति में संज्ञानात्मक कारक का बहुत बड़ा योगदान है यह दो से प्रभाव डालता है (1) नकारात्मक संज्ञानात्मक प्रवृति तथा सूचना संसाधन (11) अर्जित निस्सहायता

2 जैविक कारक (Biological factors)

एकध्रुवीय विकृति के जैविक कारकों का भी हाथ रहता है इसमें परिवार के जुड़वा बच्चों का जन्म होना क्या यह रोग वंशागत ही होता है। इसमें जननिक कारक का हाथ अधिक होता है

3 सामाजिक एवं सांस्कृति कारक (Social and Cultural factors) →

एकध्रुवीय कारक में सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारकों का मुख्य कारक अवक्षेपी कारकों का भी हाथ रहता है।

इसप्रकार स्पष्ट है कि एकध्रुवीय विकृति के विकास में उपर्युक्त तरह के कारकों का हाथ रहता है।

Treatment → एकध्रुवीय विकृति में विषादी विकृति के रोगी को उपचार के लिए psychodynamic therapy behaviour therapy, Cognitive therapy तथा Physical therapy का उपयोग अपनी आवश्यकता के अनुसार किया जाता है। इसमें व्यक्ति को उपचार करके सही किया जा सकता है

अतः उपर्युक्त तरह के चिकित्सा करके व्यक्ति को ठीक किया जाता है।

Scanned with CamScanner